

## Importance of mass communication theory and Functions

### जनसंचार सिद्धांत का महत्व एवं कार्य

आधुनिक समाज में जनसंचार की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनसंचार का सिद्धांत समाज और जनता पर जनमाध्यमों के प्रभावों और संबंधों की व्याख्या करता है। वर्ष 1900 दशक के प्रारंभ से तकनीकी परिवर्तन के कारण जनसंचार के सिद्धांत में भी परिवर्तन हुए हैं। जनसंचार सिद्धांत संचार तकनीकी में होने वाले परिवर्तन और मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को समझने में मदद करता है। जनसंचार की प्रक्रिया में दर्शकों की सक्रिय भूमिका और इसके उपयोग को समझाने की कोशिश की जाती है। मानव व्यवहार का अध्ययन संचार विशेषज्ञ और सामाजिक शोधकर्त्ता वैज्ञानिक विधि से करते हैं। क्या मीडिया दर्शकों को संदेश भेजता है, दर्शकों पर मीडिया का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है या नकारात्मक आदि सवालों का जवाब जनसंचार के सिद्धांत खोजने की कोशिश करता है।

Mass communication theories help us in finding out the relation of mass media with power, its effect on politics, economics, culture and society.

### संचार सिद्धांत के कार्य

Stephen W. Littlejohn ने संचार सिद्धांत के निम्नलिखित कार्यों की चर्चा की जो इस प्रकार है।

1. कार्यों को संगठित एवं संक्षिप्त करना (The organizing and summarizing Function)
2. कार्यों पर प्रकाश डालना (Focus Function)

3. कार्यो को स्पष्ट करना (Clarifying Function)
4. निरीक्षण करना (Observation Function)
5. पूर्वानुमान करना (Predictive Function)
6. सम्प्रेषण की क्रिया (Communicative Function)

1. संचार के सिद्धांत का प्रथम कार्य ज्ञान को व्यवस्थित करना है। यह ज्ञान को संचित करता है। ज्ञान सिद्धांतों में समाहित रहता है और शोधकर्त्ता इस समन्वित ज्ञान का लाभ उठाते हैं।
2. संचार के सिद्धांत कार्यो पर प्रकाश डालता है। यह व्यवस्थित करने के साथ-साथ महत्वपूर्ण परिवर्तनों और संबंधों पर प्रकाश डालता है।
3. संचार के सिद्धांत यह भी स्पष्ट करता है कि किस बात का निरीक्षण किया गया। यह स्पष्टीकरण न केवल संबंधों को समझने में सहायक होता है बल्कि कुछ विशिष्ट घटनाओं की भी व्याख्या करता है। यह मानव के संबंधों की उलझन को समझने और उसकी व्याख्या करने में भी सहायक होता है।
4. संचार के सिद्धांत निरीक्षण क्रिया भी करते हैं। यह क्रिया न केवल इस बात पर जोर देती है कि किस चीज का निरीक्षण करना है बल्कि यह भी जोर देती है कि कैसे निरीक्षण करना है। विशेषज्ञ विशेषरूप से बताते हैं कि किसी विशिष्ट विचार का क्या अर्थ है।
5. सिद्धांत का कार्य है पूर्वानुमान लगाना। सिद्धांत शोधकर्त्ता को निष्कर्षों और सांख्यिकी के प्रभाव का पूर्वानुमान लगाने की अनुमति प्रदान करता है। पूर्वानुमान की क्रिया से कल्पना शक्ति का विकास होता है।
6. संचार के सिद्धांत सम्प्रेषण की क्रिया करते हैं। यह सिद्धांत संचार करने के लिए दिशा-निर्देश देता है और वाद-विवाद, विचार-विनिमय और समीक्षा के लिए खुला मंच भी प्रदान करता है। संचार के माध्यम से अध्ययन किये गए तथ्यों की व्याख्या की जाती है। जिससे सिद्धांतों का विकास होता है।